भारत सरकार
खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4282
29 मार्च, 2022 को उत्तर देने के लिए

मखाना उत्पादों की मांग

4282. श्री जी.एम. सिद्देश्वर:

क्या **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार स्थानीय और वैश्विक स्तर पर मखाना उत्पादों की बढ़ती मांग से अवगत है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान पूरे देश में मखाना उत्पादों के आयात और निर्यात का ब्यौरा क्या है;
(ग) मखाना उत्पादों के बाजार-आकार में अनुमानित वृद्धि का ब्यौरा क्या है;
(घ) मखाना उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और आवंटित निधि का ब्यौरा क्या है;
(ङ) देश में मखाना उत्पादों के उत्पादन में बेहतर तकनीकी विशेषज्ञता लाने के लिए विदेशों के साथ सहयोग का ब्यौरा क्या है; और
(च) मखाना उत्पाद बनाने वाली कंपनियों के नाम का राज्य-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री
(श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) से (ग): कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के अनुसार मखाना के मूल्य वर्धित उत्पादों की मांग बढ़ रही है और इसके पोषण मूल्य के कारण 10-20% बढ़ने की संभावना है। मखाना या इसके उत्पादों में निर्यात अथवा आयात के लिए कोई अलग से हार्मोनाइज्ड सिस्टम (एचएस) कोड नहीं है। इसलिए, मखाना उत्पादों के निर्यात और आयात के अनुमान उपलब्ध नहीं हैं। वैश्विक स्तर पर मखाना उत्पाद भारत, चीन, जापान और थाईलैंड जैसे देशों में अत्यधिक लोकप्रिय हैं।

(घ) और (ङ): मखाना उत्पादों को प्रोत्साहन देने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:

(i) खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) देश भर में सूक्ष्म खाद्य उद्यमों के उन्नयन / स्थापना हेतु वित्तीय, तकनीकी और व्यावसायिक सहायता प्रदान करने के लिए प्रधान मंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन (पीएमएफ़एमई) योजना को कार्यान्वित कर रहा है। यह योजना एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) के आधार पर कार्यान्वित की जा रही है। बिहार के छह जिलों अररिया, दरभंगा, कटिहार, मधुबनी, सहरसा और सुपौल को मखाना के लिए ओडीओपी के लिए चिन्हित/अनुमोदित किया गया है।

(ii) एमओएफपीआई के साथ हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अनुसार, भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नाफेड) ने बिहार के विभिन्न जिलों से मखाने को प्रोत्साहन देने के लिए 'मखाना किंग' नाम का एक ब्रांड तैयार किया है। नेफेड ने 'मखाना किंग' ब्रांड के अन्तर्गत 7 सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों को शामिल किया है और अब तक 24 संभावित लाभार्थियों को प्रशिक्षण दिया है।

(iii) एपीडा मखाना सहित स्वास्थ्य उत्पादों और पोषक अनाज के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए क्रेता-विक्रेता बैठक का आयोजन करता है।

(iv) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) - पूर्वी क्षेत्र के लिए अनुसंधान परिसर (आरसीईआर) के तहत दरभंगा, बिहार में मखाना पर क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र ने मखाना उत्पादकता में सुधार करने के लिए मखाना की पहली किस्म अर्थात "स्वर्ण वैदेही" को विकसित और जारी किया है। इन्होंने मखाना को क्रॉपिंग सिस्टम मोड और मखाना आधारित इंटीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम में खेती करने की तकनीक भी विकसित की है।

(च): मखाना उत्पादों का उत्पादन करने वाली प्रमुख कंपनियों का राज्य-वार विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

*****

अनुबंध

मखाना उत्पादों की मांग के बारे में दिनांक 29.03.2022 को लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 4282 के भाग (च) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

मखाना उत्पादों का उत्पादन करने वाली प्रमुख कंपनियां का राज्य-वार विवरण

कंपनी का नाम	**ज़िला/राज्य**
मेसर्स मधुबनी मखाना	मधुबनी, बिहार
मेसर्स शक्ति सुधा एग्रोवेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड	पटना, बिहार
मेसर्स मखानावाला नेचुरा फूड्स प्राइवेट लिमिटेड	पुणे , महाराष्ट्र
मेसर्स ऋषभ ग्लोबल इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड (मिस्टर मखाना)	नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली
मेसर्स सती ट्रेडिंग कंपनी	कटिहार, बिहार
मेसर्स मारुति मखाना	मधुबनी, बिहार
मेसर्स के.के. प्रोडक्ट	कानपुर, उत्तर प्रदेश
मेसर्स मंजू मखाना	मधुबनी, बिहार
मेसर्स सात्विको	नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली
मेसर्स बैग्रीज़ इंडिया लिमिटेड	नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली
मेसर्स मिथिला नेचुरल्स प्राइवेट लिमिटेड	मधुबनी, बिहार
मेसर्स डीएस ग्रुप (स्नैक्स फैक्ट्री)	नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली
मेसर्स इंडल्ज फूड प्राइवेट लिमिटेड (फॉक्स बाइट्स)	नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली
मेसर्स स्वास्तिक फूड ग्रुप	अररिया, बिहार

स्रोत: एपीडा/बिहार बागवानी विकास सोसायटी